भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया-ए महिला टीम घोषित टायला व्लेमिंक और डार्सी ब्राउन की वापसी

नई दिल्ली

अगले महीने भारत दौरे पर आने वाली ऑस्ट्रेलिया-ए महिला क्रिकेट टीम की मंगलवार को 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी गई है। अनुभवी तेज गेंदबाज टायला व्लेमिंक और डार्सी ब्राउन टीम के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगी। यह दौरा तीन सप्ताह तक चलेगा, जिसमें दोनों टीमें तीन टी20, तीन एकदिवसीय और एक चार दिवसीय मुकाबला खेलेंगी।

भारत दौरे के दौरान तीनों टी20 मुकाबले न्यू चंडीगढ़ के महाराजा यादविंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसके बाद तीन एकदिवसीय मैच मोहाली के आईएस बिंद्रा स्टेडियम में होंगे, जबकि चार दिवसीय मुकाबला धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

इस दौरे के साथ 27 वर्षीय तेज गेंदबाज टायला व्लेमिंक लंबे समय बाद प्रतिस्पर्धी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी करेंगी। चोटों से लगातार जूझने के कारण उनका करियर काफी प्रभावित रहा है। उन्होंने अप्रैल में ग्रीन बनाम गोल्ड अभ्यास मैच के जरिए वापसी की थी, जो 2024 टी20 विश्व कप में कंधे की गंभीर चोट के बाद उनका पहला मुकाबला था। इस वर्ष अप्रैल में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने लगातार चोटों के चलते उनका केंद्रीय अनुबंध भी समाप्त कर दिया था।

वहीं, डार्सी ब्राउन को टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह नहीं मिली थी। उनकी अनुपस्थिति में बाएं हाथ की तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन ने टीम में अपनी जगह मजबूत कर ली थी। अब ब्राउन को ऑस्ट्रेलिया-ए टीम के जरिए फिर से खुद को साबित करने का मौका मिलेगा। राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा, 'टायला को फिर से हरे और सुनहरे रंग की जर्सी में देखना और डार्सी की वापसी हमारे लिए बेहद खुशी की बात है। दोनों के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव है और युवा खिलाड़ियों को उनसे सीखने का शानदार अवसर मिलेगा। उन्होंने आगे कहा, 'यह दौरा खिलाड़ियों के लिए उपमहाद्वीपीय परिस्थितियों में खेलने और मजबूत अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ खुद को परखने का बेहतरीन अवसर है। करियर के शुरुआती दौर में भारतीय परिस्थितियों का अनुभव भविष्य में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखने के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होता है। एकदिवसीय श्रृंखला में ताहलिया विल्सन टीम की कप्तानी करेंगी, जबकि निकोल फाल्टम टी20 टीम और रेचल ट्रेनामैन चार दिवसीय मैच में ऑस्ट्रेलिया-ए की कप्तान होंगी। टीम के आधे से अधिक खिलाड़ी 25 वर्ष या उससे कम उम्र के हैं, जिनमें 21 वर्षीय ऑलराउंडर फ्रैंकी निकलिन और सियाना जिंजर भी शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

डीपीएल 2026: ट्रॉफी जीतने के लिए हर खिलाड़ी का योगदान जरूरी : यश धुल

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के खिलाफ 210 रन का विशाल

लक्ष्य हासिल करने के बाद सेंट्रल दिल्ली किंग्स के कप्तान यश धुल ने टीम के सामूहिक प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि किसी भी टीम को चैंपियन बनने के लिए अलग-अलग मुकाबलों में अलग-अलग खिलाड़ियों का योगदान जरूरी होता है। यश धुल ने कहा, 'हमारे लिए सबसे सकारात्मक बात यह है कि हर मैच में कोई न कोई नया खिलाड़ी आगे आकर जिम्मेदारी निभा रहा है। पिछले मैच में वंश बेदी ने शानदार प्रदर्शन किया था, जबकि जोंटी सिद्धू और आदित्य भंडारी ने बेहतरीन पारियां खेलीं। इससे पूरी टीम का आत्मविश्वास बढ़ता है कि हम किसी भी लक्ष्य का पीछा कर सकते हैं। ट्रॉफी जीतने के लिए अलग-अलग परिस्थितियों में अलग-अलग खिलाड़ियों का योगदान जरूरी होता है। उन्होंने जोंटी सिद्धू और आदित्य भंडारी की मैच जिताऊ साझेदारी की भी जमकर तारीफ की। धुल ने कहा, 'जोंटी और आदित्य के बीच हुई साझेदारी बेहद अहम रही। हमने पिछले सीजन से ही जोंटी पर भरोसा जताया है और उन्होंने शानदार परिपक्वता दिखाई। शुरुआती विकेट गिरने के बाद उन्होंने पारी को बेहतरीन तरीके से संभाला। युवा खिलाड़ियों को उनकी बल्लेबाजी से काफी कुछ सीखने को मिलेगा। मैच के हीरो रहे जोंटी सिद्धू ने कहा कि बड़ी रन-चेज़ के दौरान शांत रहना उनकी सफलता की सबसे बड़ी वजह रही। उन्होंने कहा, मेरी योजना पूरे रन चेज़ के दौरान शांत रहने की थी। बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय अगर आप जल्दबाजी करते हैं तो मुश्किलें बढ़ जाती हैं। मैं लगातार आदित्य भंडारी से कह रहा था कि हमें हर ओवर में सिर्फ एक-दो चौकों की जरूरत है। अगर हम धैर्य बनाए रखेंगे तो मैच हमारे पक्ष में आ जाएगा। खुशी है कि हमारी योजना सफल रही। जोंटी ने बताया कि टीम को पहले 200 से अधिक रन का सफल पीछा करने का अनुभव था, जिससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास काफी बढ़ा हुआ था। उन्होंने कहा, 'ड्रेसिंग रूम में ज्यादा चर्चा नहीं हुई क्योंकि हम इससे पहले भी 200 से अधिक रन का लक्ष्य हासिल कर चुके थे। हमें पूरा विश्वास था कि अगर हम अपनी प्रक्रिया पर कायम रहे तो दोबारा भी ऐसा कर सकते हैं।

पाकिस्तान ने बल्लेबाजी कोच बदला, दक्षिण अफ्रीका के माइक स्मिथ को सौंपी जिम्मेदारी

इस्लामाबाद। टेस्ट क्रिकेट में लगातार खराब बल्लेबाजी प्रदर्शन के बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड

(पीसीबी) ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर और अनुभवी कोच माइक स्मिथ को राष्ट्रीय टेस्ट टीम का नया बल्लेबाजी कोच नियुक्त करने का फैसला किया है। वह असद शफीक की जगह यह जिम्मेदारी संभालेंगे। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पीसीबी इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला से पहले इस नियुक्ति की औपचारिक घोषणा कर सकता है। बताया जा रहा है कि बोर्ड द्वारा आवेदन आमंत्रित किए जाने के बाद माइक स्मिथ का चयन किया गया और वह इंग्लैंड दौरे से टीम के साथ जुड़ेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, असद शफीक के बल्लेबाजी कोच के रूप में कामकाज को लेकर सवाल उठ रहे थे, क्योंकि वह एक साथ पुरुष और महिला चयन समिति के सदस्य होने के अलावा कराची स्थित पीसीबी अकादमी के प्रमुख की जिम्मेदारी भी निभा रहे थे। ऐसे में बल्लेबाजी कोच की भूमिका पर पूरा ध्यान नहीं दे पाने की आलोचना हो रही थी। पिछले तीन वर्षों में पाकिस्तान ने बल्लेबाजी कोच के पद पर कई बदलाव किए हैं।

शफीक के शतक और बाबर के अर्धशतक से पाकिस्तान ने पहली पारी में बनाये 266/2

जमैका। अब्दुला शफीक की शतकीय पारी के साथ ही कप्तान बाबर आजम व युवा अजान ओवैस के अर्धशतकों

की सहायता से पाकिस्तान ने मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में अच्छी वापसी की है। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक पर पाक ने अपनी पहली पारी में दो विकेट पर 266 रन बना लिए। खेल समाप्त होने के समय शफीक 107 रन बनाकर खेल रहे थे जबकि बाबर आजम ने 86 रन बनाये थे। इस प्रकार पाक टीम अब वेस्टइंडीज के 344 रनों के स्कोर से केवल 78 रन ही पीछे है। अजान ओवैस और इमाम उल हक ने पाक की दूसरी पारी की शुरुआत की। इमाम बड़ी पारी नहीं खेल पाये और केवल 14 रन ही बना पाये। इसके बाद युवा सलामी बल्लेबाज अजान ओवैस ने 71 गेंदों में 55 रन बना दिये। अजान के आउट होने के बाद, अब्दुला शफीक और बाबर आजम ने तेजी से रन बनाये। दोनों ने मिलकर एक अच्छी साझेदारी बनाई, जिसने पाक को मैच में आगे बढ़ने का अवसर मिल गया।

जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिए भारत में आठ मैच खेलेगी मलेशियाई हॉकी टीम

बेंगलुरु

आगामी जूनियर एशिया कप 2026 की तैयारियों के लिए मलेशियाई अंडर-21 पुरुष हॉकी टीम भारत दौरे पर है। इस दौरे में मलेशियाई टीम भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम और साई टीम से कुल आठ मुकाबले खेलेगी। ये सभी मैच साई नेताजी सुभाष सदर्न सेंटर में आयोजित किए जाएंगे। इस सीरीज दोनों देशों की टीमों को एशिया कप के साथ ही भविष्य के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों, विशेष रूप से जूनियर एशिया कप, की तैयारी का भी अवसर मिलेगा। इस दौरे का लक्ष्य खिलाड़ियों को उच्च-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा का अनुभव करना और भारत व मलेशिया के बीच मौजूदा खेल संबंधों को और बेहतर बनाना है।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज ने कहा है कि इस सीरीज से टीम को काफी लाभ होगा। उनके अनुसार ये मुकाबले जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे। उन्होंने कहा, बेल्जियम दौरे के दौरान हमारे प्रदर्शन में निरंतर आया था, और अब मलेशिया के खिलाफ यह घरेलू सीरीज से टीम की तैयारी और बेहतर होगी। सोयेज ने साथ ही कहा, पिछले सप्ताह के गहन प्रशिक्षण शिविर में जिन रणनीतिक क्षेत्रों पर हमने काम किया है, उन्हें मैच हालातों में आंकने का अच्छा अवसर होगा, जिससे हमें अपनी टीम की ताकत और कमजोरियों को समझने में सहायता मिलेगी। हाल ही में बेल्जियम दौरे से लौटी भारतीय जूनियर टीम ने वहां कई मजबूत अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ खेलकर अच्छा खासा अनुभव हासिल किया है। अब मलेशिया के विरुद्ध आठ मैचों की इस सीरीज से टीम संयोजन, खेल रणनीति को अंतिम रूप देने और खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आंकलन करने में सहायता मिलेगी। इन आठ मुकाबलों में से पांच मैच मलेशियाई अंडर-21 टीम भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के खिलाफ खेलेगी, जबकि शेष तीन मुकाबले साई टीम के साथ होंगे। यह दौरा निश्चित रूप से दोनों टीमों के युवा खिलाड़ियों के लिए एक अमूल्य सीखने का अनुभव साबित होगा और उन्हें आगामी जूनियर एशिया कप जैसे बड़े टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार करेगा।

अकीब से पहले जम्मू-कश्मीर के रसूल और उमरान ने बनायी थी भारतीय टीम में जगह

मुम्बई। जसप्रीत बुमराह के बाहर होने से अब 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ शुरु हो रही टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल युवा तेज गेंदबाज आकिब नबी जम्मू-कश्मीर के पहले क्रिकेटर नहीं हैं। अकीब राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने वाले राज्य के तीसरे क्रिकेटर हैं। जम्मू-कश्मीर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले पहले खिलाड़ी परवेज रसूल थे, जिन्होंने 2014 में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था। रसूल मीरपुर में अपने पहले एकदिवसीय मैच में दो विकेट लेने में सफल रहे थे। हालांकि, उनका अंतरराष्ट्रीय करियर छोटा रह रहा और भारत के लिए उन्होंने केवल दो मैच एक एकदिवसीय और एक टी20 खेले। जनवरी 2017 में इंग्लैंड के खिलाफ कानपुर में उन्होंने अपना एकमात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला, जिसमें एक विकेट हासिल किया। 37 वर्षीय परवेज अब संन्यास ले चुके हैं और वह आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु सहित तीन टीमों का प्रतिनिधित्व करने वाले जम्मू-कश्मीर के भी पहले खिलाड़ी थे, जहां उन्होंने कुल 11 मैच खेले। परवेज के बाद, उमरान मलिक जम्मू-कश्मीर से टीम इंडिया में जगह बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने। उन्होंने जून 2022 में अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया और कुल 18 अंतरराष्ट्रीय मैचों (10 वनडे, 8 टी20) में 24 विकेट लिए। उमरान ने आईपीएल 2022 में 157 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंककर भारतीय क्रिकेट में एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया था, जो आईपीएल में किसी भारतीय द्वारा फेंकी गई सबसे तेज गेंद है। हालांकि, जुलाई 2023 के बाद से वह भारत के लिए कोई मैच नहीं खेल पाए हैं। कूल्हे की चोट के कारण लगभग डेढ़ साल तक क्रिकेट से दूर रहने और अपनी रफ्तार में कुछ कमी आने के बावजूद, 26 वर्षीय उमरान अभी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी की उम्मीद पाले हुए हैं। उन्होंने आईपीएल में 26 मैचों में 29 विकेट हासिल किए हैं।

केंद्रीय खेलमंत्री मंडाविया ने अनाहत सिंह और जूनियर स्क्वैश टीम को किया सम्मानित

नई दिल्ली

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने मंगलवार को विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप 2026 में पदक जीतने वाली भारतीय खिलाड़ियों और टीम का सम्मान किया। इस दौरान महिला एकल में स्वर्ण पदक जीतने वाली अनाहत सिंह तथा कांस्य पदक विजेता भारतीय जूनियर पुरुष टीम के सदस्य आर्यवीर देवान, युशा नफीस और गुरवीर सिंह को सम्मानित किया गया।

18 वर्षीय अनाहत सिंह ने पिछले सप्ताह कनाडा में आयोजित विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में महिला एकल का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। वह इस प्रतियोगिता में विश्व जूनियर महिला एकल का स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनीं। यह उनका इस प्रतियोगिता में पांचवां अभियान था और विश्व जूनियर चैंपियनशिप में दूसरा पदक भी। इससे पहले उन्होंने 2025 में काहिरा में कांस्य पदक जीता था। सम्मान समारोह के दौरान खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए डॉ. मंडाविया ने उन्हें हालिया सफलता को लंबे सफर की शुरुआत मानने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अब खिलाड़ियों का अगला लक्ष्य एशियाई खेल 2026 और लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 होना चाहिए। अनाहत सिंह की ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना करते हुए डॉ. मंडाविया ने कहा कि उनका स्वर्ण पदक देश के लाखों युवाओं को स्क्वैश अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर अनाहत सिंह ने खेल मंत्री को अपने हस्ताक्षर वाला स्क्वैश रैकेट और स्क्वैश बॉल भेंट की। समारोह के दौरान खिलाड़ियों ने डॉ. मंडाविया के साथ सेल्फी भी ली और अनौपचारिक बातचीत की, जिससे कार्यक्रम का माहौल आत्मीय और उत्साहपूर्ण बन गया।

अनुज और अबु बने चैंपियन, आराध्या ने जीते दो खिताब

इंदौर। इंदौर जिला टेबल टेनिस संगठन की तृतीय जिला रैंकिंग टेबल टेनिस स्पर्धा में अनुज सोनी, अबु बकर और आराध्या राजपूत ने खिताबी सफलता हासिल की। पुरुष एकल में अनुज चैंपियन बने, जबकि अबु बकर ने बालक अंडर-19 और आराध्या ने महिला एकल व बालिका अंडर-19 वर्ग में दोहरा खिताब जीता। अभय प्रशाल स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित स्पर्धा के पुरुष एकल फाइनल में अनुज सोनी ने पंकज विश्वकर्मा को 3-1 से पराजित किया। सेमीफाइनल में अनुज ने कार्तिकेय कौशिक को 3-2 और पंकज ने अबु बकर को 4-0 से हराया। महिला एकल फाइनल में आराध्या राजपूत ने हिया पटेल को 4-1 से शिकस्त दी। बालिका अंडर-19 वर्ग के फाइनल में भी आराध्या ने हिया को 3-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया। सेमीफाइनल में हिया ने भाग्यश्री दवे को 3-0 और आराध्या ने अक्षिता मित्तल को 3-0 से पराजित किया। बालक अंडर-19 वर्ग के फाइनल में अबु बकर ने रिदम गढ़िया को 3-1 से मात देकर खिताब जीता। सेमीफाइनल में अबु ने रक्षत चावड़ा और रिदम ने अभि जैन को समान स्कोर 3-1 से हराया।

फील्डिंग कोच टी दिलीप को रोहित ने असली हीरो करार दिया

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा फील्डिंग कोच टी दिलीप की विदाई पर भावुक हो गये। रोहित ने दिलीप को असली हीरो करार दिया है। दिलीप का भारतीय टीम के साथ पांच साल का अनुबंध समाप्त हो गया है। ऐसे में उन्हें फील्डिंग कोच का पद छोड़ना पड़ा है। उनकी विदाई के दौरान खिलाड़ी भी भावुक हो गये और सभी ने उनकी प्रशंसा की। दिलीप ने टीम के साथ अपने कार्यकाल के दौरान खिलाड़ियों के फील्डिंग कौशल को निखारने में अहम भूमिका निभाई और ड्रेसिंग रूम में एक अच्छा माहौल भी बनाए रखा।

रोहित ने सोशल मीडिया में दिलीप के साथ एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, आप एक लीजेंड हैं। आपने ग्रुप के अंदर जादू भर दिया और आप पर्दे के पीछे मेहनत करने वाले असली हीरो हैं। आगे के सफर के लिए शुभकामनाएं।' रोहित के ये शब्द उनकी दोस्ती की गहराई और टीम में दिलीप के योगदान के प्रति उनके प्रति सम्मान को दिखाते हैं। दिलीप एक कोच के साथ ही ड्रेसिंग रूम में उत्साह और सकारात्मकता का संचार करने वाले एक महत्वपूर्ण सदस्य भी थे।

गौरतलब है कि दिलीप साल 2021 में भारतीय टीम के सपोर्ट स्टाफ से जुड़े थे और उन्होंने तब से लेकर 2024-25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के अंत तक अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने पहले राहुल द्रविड़ और उसके बाद गौतम गंभीर दोनों के कार्यकाल के दौरान भारत के फील्डिंग कोच के रूप में काम किया। उनका अनुबंध् कई बार बढ़ाया गया, जिससे अंदाज होता है कि वह टीम के लिए उनके महत्व पूर्व रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में भारतीय टीम की फील्डिंग में काफी सुधार देखा गया, जिसने कई महत्वपूर्ण मैचों में टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

टीम इंडिया से विदाई के बाद, टी दिलीप ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक लंबा और भावुक पोस्ट लिखा, जिसमें उन्होंने बीसीसीआई और टीम का आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, 'पांच साल के उस सफर के लिए सही शब्द ढूंढना मुश्किल है जो मेरे लिए इतनी मायने रखती है। मुझे इस टीम के सफर का हिस्सा बनने का मौका देने के लिए में बोर्ड का अभारी हूंहै।

राष्ट्रमण्डल खेलों के पदक विजेताओं का स्वदेश पहुंचने पर भव्य स्वागत

खिलाड़ियों ने जताया आभार

नई दिल्ली

राष्ट्रमण्डल खेलों में शानदार प्रदर्शन कर चौथे स्थान पर रहा भारतीय दल स्वदेश पहुंच गया। टीम का दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पहुंचने पर पर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में प्रशंसकों के साथ ही खेल अधिकारी और समर्थक ढोल-नगाड़ों, फूल-मालाओं और भारत माता की जय के नारे लगाते दिखे।

वहीं इस सम्मान से अभिभूत खिलाड़ियों ने इस सम्मान पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्वागत उनके लिए किसी सपने से कम नहीं है और वे आगे भी देश के लिए इसी तरह पदक जीतने का प्रयास करेंगे।

इन खेलों में भारतीय मुक्केबाजों ने एतिहासिक प्रदर्शन किया। मुक्केबाजी फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि इन खेलों के 96 साल के इतिहास में भारत ने पहली बार मुक्केबाजी में सात स्वर्ण पदक जीते हैं। ये देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ व सभी सहयोगी संस्थाओं को दिया है।

इस दौरान स्वर्ण पदक विजेता भारतीय मुक्केबाज साक्षी चौधरी ने एयरपोर्ट पर मिले शानदार स्वागत पर खुशी जतायी। उन्होंने भारत सरकार, मुक्केबाज फेडरेशन ऑफ इंडिया और हरियाणा सरकार द्वारा दिए गए निरंतर सहयोग और बेहतर प्रशिक्षण के लिए आभार व्यक्त किया। साक्षी ने अपना स्वर्ण पदक देशवासियों को समर्पित करते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे भारत की है और वे भविष्य में भी देश के लिए बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगी।

वहीं मुक्केबाज प्रीति पवार ने भी टीम के प्रदर्शन और देश लौटने पर मिले सम्मान पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने सेना और भारत सरकार से मिले सहयोग को खिलाड़ियों की सफलता का प्रमुख कारण बताया। इसके अलावा एक अन्य मुक्केबाज अरुंधति चौधरी ने अपनी सफलता का श्रेय भारतीय सेना, आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट और कॉर्पस ऑफ मिलिट्री पुलिस को दिया। दूसरे ओर पुरुषों की 90 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक विजेता मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल ने कहा कि वे एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

भारतीय पैरा-एथलीटों ने भी कॉमनवेल्थ गेम्स में शानदार प्रदर्शन किया। पुरुषों की शॉट पुट एफ-57 स्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता सोमन राणा ने अपनी जीत को पूरे देश, भारतीय सेना और सभी सहयोगियों को समर्पित किया। उन्होंने भी एशियाई खेलों को अपना अगला लक्ष्य बताया।